

The Brigade School TA1 2020-21

Total points **70/100** ?

Std - 10

Hindi (2 Language)

Marks - 80

Timings : 3hr.30min

Email address *

mananmehtabatman@gmail.com

0 of 0 points

Instructions:

1. Select your school & Section correctly. 2. Read the instructions carefully before attempting the question. 3. Ensure that you have completed and revised your paper before submission. 4. You can attempt your paper only once.

Name of the Student *

Manan Y Mehta ▼

Name of School *

TBSG ▼



Section *

A ▼

खंड - क (40 marks)

36 of 40 points

Attempt all questions:

प्र.१ . निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए : अंक-१५

i) आपके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन कौन-सा है और क्यों? उस दिन की उपलब्धियों का वर्णन करते हुए लिखिए कि आप उसे क्यों नहीं भूल पाएँगे ।

ii) 'अवकाश के क्षण का सर्वोत्तम सदुपयोग है - अपनी रुचि के अनुसार रचनात्मक कार्य (Creative Work) करना' - इस पर अपने विचार लिखते हुए अपने किसी प्रमुख शौक(रुचि) का वर्णन कीजिए ।

iii) प्राकृतिक प्रकोप कौन-कौन से हैं ? इस संदर्भ में आए भूकंप का वर्णन कीजिए ।

iv) "का वर्षा गए कृषि सुखाने" - सूक्ति का अर्थ लिखते हुए इस पर एक मौलिक कहानी लिखिए ।



✕ v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए । उसे देखकर आपके मन में जो विचार उठ रहे हैं , उन्हें अपने शब्दों में लिखिए , पर ध्यान रहे विषय का सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए । 14/15



PDF Manan_Essay - ...

प्र.२. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए ।

अंक-७

i) दूरभाषा (टेलीफोन) का बिल बहुत अधिक आ जाने के कारण दूरभाषा विभाग के अधिकारी को बिल पुनः जाँच करने की प्रार्थना करते हुए एक आवेदन पत्र लिखिए ।



प्र. ३. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :- अंक : १०

योगासनों का अभ्यास करने से शारीरिक बाल ही नहीं, मानसिक बाल भी प्राप्त होता है । एकाग्रता बढ़ती है, स्मरण शक्ति का विकास होता है, इसलिए ये विद्यार्थियों के लिए भी बहुत उपयोगी हैं । हल्के -फुल्के शरीर और तनावरहित मन से कार्य-दक्षता बढ़ती है । यही कारण है कि आज कार्यालयों में काम करने वाले लोग भी योगासनों से लाभ उठा रहे हैं । इसमें संदेह नहीं कि आज मनुष्य ने कल्पनातीत भौतिक प्रगति कर ली है । इससे कुछ हानियाँ भी हुई हैं । भीड़-भाड़, प्रतिस्पर्धा, क्षमता से अधिक कार्य करना, शोरगुल आदि से तनाव और बेचैनी बढ़ी है । तनाव अनेक रोगों को जन्म देता है, जैसे रक्तचाप, अनिद्रा, अपच तथा अनेक प्रकार के हृदय और मानसिक रोग । कई रोगों का इलाज पाश्चात्य चिकित्सा पद्धतियाँ नहीं कर पा रही हैं, किन्तु योगासनों से इनपर काबू पाया जा सकता है । यही कारण है कि आज चिकित्सक भी अपने रोगियों को योगासनों की ओर प्रवृत्त कर रहे हैं । बड़े-बड़े ख्याति प्राप्त अस्पतालों योग चिकित्सा सफलतापूर्ण कार्य कर रहे हैं । और तो और, अंतरिक्ष में भी योगासनों पर प्रयोग किए गए हैं और पाया गया है कि योगाभ्यास से यात्रियों को सुविधा हुई है । यह धारणा बनाना अनुचित होगा कि योगासनों का उपयोग केवल रोगों की चिकित्सा में होता है । योगासन किसी भी व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक क्षमताओं का विकास कर उसे उसके कार्य में सफलता दिलाते हैं । उसके मन को तानावमुक्त और प्रफुल्ल रखते हैं, जिससे वह जीवन का आनंद उठा सके । आज बड़े-बड़े व्यावसाहिक प्रतिष्ठान अपने मैनेजर्स और कर्मचारियों को योगाभ्यास कराते हैं, जिससे उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि होती है । योगासनों के बारे में पढ़कर किसी के निर्देशन के बिना यों ही योगासन करना ठीक नहीं है । यह ऐसा ही है, जैसे बिना डॉक्टर से पूछे दवा लेना । प्रारंभ में किसी कुशल निर्देशक या अध्यापक से योगासन सीखने चाहिए । वह आपकी क्षमता और आवश्यकता के अनुसार कुछ आसान सीखा देगा । उनका धीरे-धीरे अभ्यास करें । समयावधि भी धीरे-धीरे ही बढ़ाना चाहिए । किसी खुले और शांत स्थान पर नित्य नियमपूर्वक १५ से ३० मिनट तक योगासन करना पर्याप्त है । कुछ लोग कुछ आसनों के अनेक लाभ पढ़कर अपने आप ही आसान चुन लेते हैं । ऐसा करना हानिकारक हो सकता है । बड़े ही हर्ष का विषय है कि हमारे वर्तमान प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयास से २१ जून २०१५ को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाया गया । इसमें विश्व के कई देशों ने भाग लिया । अब हर वर्ष २१ जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाया जाएगा, जो विश्व के सुनहरे भविष्य का एक सुखद संकेत है ।

✓ i) योगासन करने के क्या लाभ हैं ? *

2/2

योगासन के अनेक लाभ होते हैं। योगासन करने से शारीरिक बल ही नहीं मानसिक बल भी बढ़ता है। योगासन करने से स्मरण शक्ति भी बढ़ती है और एकाग्रता भी बढ़ती है इसीलिए यह विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक भी माना जाता है।



✓ ii) मनुष्य की प्रगति के साथ क्या-क्या हानियाँ *

2/2

मनुष्य की प्रगति बढ़ने के साथ-साथ बहुत सी हानियाँ भी बढ़ रही हैं। भीड़-भाड़, प्रतिस्पर्धा, क्षमता से अधिक कार्य करना, शोरगुल आदि से तनाव और बेचैनी बढ़ी है - तनाव अनेक रोगों को जन्म देता है, जैसे रक्तचाप, अनिद्रा, अपच तथा अनेक प्रकार के हृदय और मानसिक रोग।



✓ iii) आजकल चिकित्सक योगासनों की सलाह क्यों देते हैं ? बिना निर्देशन के योगासन करने से क्या हानियाँ हैं ? *

2/2

कई रोगों का इलाज पश्चात्य चिकित्सा पद्धतियाँ नहीं कर पा रही हैं, किन्तु योगासनों से इनपर काबू पाया जा सकता है तनाव अनेक रोगों को जन्म देता है, लेकिन कोई रोग ऐसे होते हैं जिसका इलाज पश्चात्य चिकित्सा पद्धतियाँ नहीं कर पाती है लेकिन योगासनों से इन पर काबू पाया जा सकता है। यही कारण है कि आजकल चिकित्सक योगासनों की सलाह क्यों देते हैं । बिना निर्देशन के योगासन नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे हानियाँ होती हैं। यह उसी प्रकार है जिसे डॉक्टर से बिना पूछे कोई दवाई ले लेना।



✓ iv) आज योगासन का प्रचलन कैसे बढ़ रहा है ? *

2/2

आजकल योगासन का प्रचलन बहुत बढ़ गया है। हमारे वर्तमान प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयास से २१ जून २०१५ को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाया गया । इसमें विश्व के कई देशों ने भाग लिया । अब हर वर्ष २१ जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाया जाता है।



✓ v) 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' पहली बार कब मनाया गया और इसका श्रेय किसे जाता है ? * 2/2

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' पहली बार २१ जून २०१५ कब मनाया गया और इसका श्रेय हमारे वर्तमान प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जाता है।



प्र. 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

i) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विलोम लिखिए :-

✓ आसक्त, अतिवृष्टि, अपेक्षा, आग्रह *

1/1

आसक्त x अनासक्त ; अपेक्षा x उपेक्षा



ii) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाइए :

✗ अग्र, रुचि *

0/1

अग्र - अगल ; रुचि - रुचिर



iii) किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए :-



✓ प्रातःकाल, बाधा *

1/1

बधा - रुकावट , विघ्न

✗

iv) निम्न शब्दों की भाववाचक संज्ञा बनाइए:

✓ आलसी, पढ़ना *

1/1

आलसी - आलस ; पढ़ना - पढ़ाई

✗

v) किसी एक मुहावरे से वाक्य बनाइये :

✓ ठण्डी साँसें भरना, ताक में रहना *

1/1

रमेश अपने बूढ़े पिताजी का स्वास्थ्य देख ठंडी सांस भरने लगा।

✗

vi) निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन करके उन्हें दोबारा लिखिए :

✓ a) कौरवों के लिए पांडवों को हराना संभाव नहीं, असंभव था । (वाक्य को शुद्ध कीजिए) * 1/1

कौरवों के लिए पांडवों को हराना संभव नहीं, असंभव था ।

✗



✓ b) राजा शिवि बहुत उदार थे । ('उदारता' शब्द का प्रयोग कीजिए) *

1/1

राजा शिवि में बहुत उदारता थी ।

✗

✓ c) मुझे संदीप के विषय में सब कुछ पता है । (मैं से वाक्य शुरू कीजिए) *

1/1

मैं संदीप के विषय में सब कुछ जानता हूँ ।

✗

खंड -ख (40 Marks)

34 of 60 points

Questions from only two of the following textbooks are to be answered. Attempt four questions from this section. You must answer atleast one question from each of the two books, you have studied and any two other questions from the same books that you have choosen.

साहित्य सागर (संक्षिप्त कहानियाँ)

प्र ५ . निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

यही कारण था कि गाँव की ललनाएं उनकी निंदक थी । कोई-कोई तो उन्हें अपना शत्रु समझने में भी संकोच न करती थी । स्वयं उनकी पत्नी को इस विषय में उनसे विरोध था ।

प्रेमचंद

बड़े घर की बेटी - मुंशी

✗ प्र.१. उपर्युक्त पंक्तियों में किस व्यक्ति के बारे में कहा गया है ? *

.../2

X



✗ प्र.२. गाँव की ललनाएँ उनकी निंदा क्यों किया करती थीं ? *

.../2

X

✗ प्र.३. उनकी पत्नी का क्या नाम था ? उन्हें किस विषय में अपने पति से विरोध था और क्यों ? .../3 *

X

✗ प्र.४. इस कहानी का क्या उद्देश्य है ? *

.../3

X

प्र.६, निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

महत्व मूर्ति के रंग -रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मजाक की चीज होती जा रही है ।

नेताजी का चश्मा - स्वयं प्रकाश

✓ प्र. १. यह विचार किसका है ? देश-भक्ति की भावना की क्या दशा हो रही है ? अपने विचार 2/2 बताइए । *

या विचार हालदार साहब का है जो कस्बे से हर १५ दिन गुजरते थे। यह कहानी नेताजी का चश्मा देशवासियों में देश प्रेम की भावना को जागरूक करती है। आजकल देशभक्ति का मजाक उड़ाया जाता है । आजकल के लोग देशभक्तों की भावनाओं को नहीं समझते हैं और ना ही देशभक्ति दिखाते हैं वह चीज का मजाक उड़ाते हैं । जिस प्रकार पानवाले ने एक कैप्टन जैसे देश भक्त का मजाक उड़ाया वैसे ही दूसरे लोग भी दूसरों देशभक्तों का मजाक उड़ाते हैं। लोगों को देशभक्त के बलिदान की परवाह बिल्कुल नहीं है और सबको अपने काम से काम रखना है ।



✓ प्र. २. दूसरी बार हालदार साहब ने क्या देखा ? उनका कौतुक क्यों बढ़ा ? *

2/2

जब हालदार साहब पहली बार कस्बे से गुजरे तो उन्होंने देखा कि कस्बे के चौराहे पर नेता जी की मूर्ति पर एक असली चश्मा लगाया हुआ था। वह चश्मा एक काले प्रेम का चौड़ा चश्मा था। जब हालदार साहब दूसरी बार कस्बे से गुजरे तो उन्होंने दूसरे चश्मे देखे। इस बार हालदार साहब ने तारवाला गोल चश्मा देखा। उनका कौतुक और बढ़ गया और उन्होंने सोचा कि मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती इसीलिए चश्मे बदल रही है।

✓ प्र. ३. उन्होंने पानवाले से क्या पूछा और उन्हें क्या जवाब मिला ? क्या हालदार साहब की समझ में बात आई ? *

3/3

हालदार साहब जब भी कस्बे से गुजरते थे वह चश्मे को बदलते हुए देखते जिससे उनका कौशिक और भी बढ़ता जाता। इसीलिए उन्होंने पान वाले से पूछा कि उनके नेता जी हर वक्त चश्मे क्यों बदलते रहते हैं। पान वाले ने उत्तर में कहा कि कैप्टन चश्मे वाला करता है। उन्हें समझ में नहीं आया कि कैप्टन चश्मेवाला क्या करता है इसीलिए उन्होंने वापस पूछा कि वह क्या करता है। पान वाले ने उत्तर में कहा कि वह चेंज करता है। हालदार साहब अब भी नहीं समझे इसलिए पान वाले ने कहा कि वह चश्मे चेंज करता है। हालदार साहब को समझ में आया था कि कैप्टन हर वक्त नेताजी का चश्मा बदलता रहता है पर उन्हें अभी भी नहीं समझ में आया था कि वह ऐसा क्यों करता है।

✓ प्र. ४. कैप्टन चश्मेवाला नेताजी की मूर्ति में चश्मे के उलट -फेर क्यों करता था ? *

3/3

कैप्टन चश्मे वाला एक बूढ़ा मरियम सा लंगड़ा आदमी था जो चश्मे बेचता था वो भी फेरी लगाकर। जब हालदार साहब ने पान वाले से पूछा कि वह नेताजी का चश्मा क्यों बदलता रहता है तो इसमें एक बढ़िया उत्तर दिया। पान वाले ने कहा कि अगर कैप्टन के किसी भी खरीदार को कोई और चौड़ा चश्मा चाहिए तो और उसके पास नहीं है तो वह नेता जी के चौड़े चश्मे लेकर उस पर कोई और चश्मा लगा देता था। इस तरह कैप्टन चश्मे वाला चश्मा की अदल बदल करता रहता था।

प्र ७. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"ज्यों-ज्यों चुनाव समीप आता, भेड़ों का उल्लास बढ़ता जाता। "

परसाई

भेड़ें और भेड़िये - हरिशंकर



✓ प्र. १. चुनाव किस बात के लिए कराया जा रहा था ? भेड़ों का उल्लास क्यों बढ़ रहा था ? * 2/2

वन के सभी पशु पक्षियों को ऐसा लगा कि वह सभ्यता के उस स्तर पर पहुंच गए हैं जहाँ उन्हें अच्छी शासन व्यवस्था अपनाने चाहिए और एकमत से तय हो गया कि वन प्रदेश में प्रजातंत्र की स्थापना होगी। प्रजातंत्र की स्थापना करने हेतु चुनाव का आयोजन किया जा रहा था। वन प्रदेश में भेड़ों कुल ९० फ़िसदी थे, इसलिए उन्हें पता था कि चुनाव में भेड़ों की ही विजय होगी। वे खुश थे कि चुनाव जीतने के बाद उनके प्रतिनिधियों से वह कानून बनाएगी कि कोई भी जीवधारी किसी को ना सताए और नहीं मारे - सब जियो और जीने दे। वे चाहते थे कि शांति, बंधुत्व और सहयोग पर समान आधारित हो।

✓ प्र. २. भेड़ों का ऐसा सोचना क्या ठीक था या वे भ्रम में थीं ? * 2/2

भेड़ों का यह सोचना कि वह चुनाव जीत जाएंगे यह बिल्कुल ही ठीक था लेकिन जो जब वो बूढ़े सियार की बातों में आ गए तो यह उनका भ्रम बन गया कि भेड़िए उनकी मदद करेंगे और एक अच्छा समाज बनाएंगे। अगर वह बुद्धे सियार की बातों में नहीं आते तोह आज वह चुनाव जीत गये होते।

✗ प्र.3. कहानी में भेड़ें किसकी प्रतीक हैं ? * 2.5/3

कहानी में भेड़ें भोली भाली जनता का प्रतीक है जो चालाक, ढोंगी, धोखेबाज नेताओं के बहकावे में आकर उन्हीं को चुनाव जीता देते हैं पर बाद में उन्हें निराशा प्राप्त होती है क्योंकि जिस प्रकार वह कानून बनाते हैं वह सामान्य जनता के लिए हानिकारक होते हैं। भेड़ें निहायती नेकइमानदार विनय दयालु निर्दोष और कोमल जनता का प्रतीक है जो बंधुत्व और सहयोग पर समान आधारित रखना चाहते हैं।

✗ प्र. ४. क्या भेड़ों की अभिलाषा पूर्ण हुई ? * 2/3

भेड़ों की अभिलाषा पूर्ण नहीं हुई क्योंकि वह सियार के बहकावे में आ गए और उन्होंने भेड़ियों को अपना प्रतिनिधित्व चुन लिया। भेड़ियों ने जो कानून बनाया भेड़ों के खिलाफ था। ऐसा कानून बनाया जिससे भेड़ों की हत्या हो।

प्र ८ . निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-



"वह काम तो तेरे लिए छोड़ दिया। मैं चली जाऊँगी तो जल्दी से सारी दुनिया का कल्याण करने के लिए झण्डा लेकर निकल पड़ना।"

दो कलाकार - मन्नू भंडारी

✓ प्र. १. यहाँ कौन किससे कहा रहा है ? यह व्यंग्य उसने क्यों किया ? *

2/2

उपयुक्त कथन की वाँचिा है और ोता अणा है। ये दोनों अपने - अपने े म कलाकार है। िचा की कला है िक वह पूरा िदन रंगों और तुलकाओं म डूबी रहती है। उसे चौबीसों घंटे िच बनाने का नशा चढ़ा है। दूसरी ओर अणा पूरा समय समाज सेवा म अिपत करती है। वह अधिक से अधिक लोगों की जान बचाने की कोशिश करती है। जब अणा ने िचा को कहा िक िच बनाने के अलावा िकसी दो - चार की िजंदगी सवार िलया कर तो िचा ने यह कथन उसके उर म कहा था।

✓ प्र. २. वक्ता कहाँ जाने की बात कर रहा है ? *

2/2

वक्ता चित्र विदेश जाने की बात कर रही है जहाँ वह पड़ेगी और अपने चित्र बनाने की कला में माहिर बनेगी। चित्रा पहले ट्रेन से अपने परिवार वालों से मिलेगी जहाँ पर वह 1 सप्ताह रुकेगी और सिर्फ आउट विदेश चली जाएगी।

✗ प्र. ३. तीन दिन से क्या हो रहा था ? श्रोता ने इस घड़ी में क्या किया ? *

2.5/3

तीन िदनों से मूसलाधार बारिश हो रही थी। बारिश मानो कने का नाम ही नहीं ले रही थी। मूसलाधार बारिश की वजह से बत लोगों को क झेलना पड़ रहा था। अणा िदन रात बाहर रहती थी ताक वह बारिश से पीड़ित लोगों के िलए चंदा इका कर सके। ोता अणा ने लोगों की मदद करने के िलए िसिपल से इजाजत लेकर एक यं सेवको के दल के साथ उस जगह चली गई और वहाँ १५ िदन बाद लौटी। जब वह लौटी तो उसकी हालत कुछ खास नहीं थी।

✗ प्र. ४. वक्ता की जाने की बात से श्रोता ने कैसे महसूस किया ? *

2/3

चित्रा के जाने के बाद 1 साल पत्र तो पत्र का व्यवहार बड़े ही नियमित रूप से चला लेकिन 1 साल के बाद वह पत्र का व्यवहार काम होते-होते बंद ही हो गया मानव दोनों को मालूम नहीं कि दोनों अपनी अपनी जिंदगी में क्या कर रहे हैं।



एकांकी संचय

प्र १ . निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"बेटा बड़ा वास्तव में कोई उम्र या दर्जे से नहीं होता । बड़ा तो बुद्धि से होता है - योग्यता से होता है ।"
सूखी डाली - उपेन्द्रनाथ अशक

✗ प्र. १. अंश में कौन, किससे तथा किस संदर्भ में कहा रहा है ? *

1.5/2

उपर्युक्त कथन दादा मूलराज अपने पौते परेश से बात कर रहे हैं। वे बेल के सन्दर्भ में बात कर रहे थे ।

✗ प्र. २. दादाजी छोटी बहू और परिवार वालों की उलझन सुलझाने के लिए क्या प्रयास करते हैं ? *

1.5/2

दादाजी छोटी बहू बेला को खुश करने के लिए परेश से कहते हैं कि वह उसे बाजार ले जाए और उसे अपने मनपसंद की चीजें खरीद कर दे उसी वक्त दादाजी दूसरे परिवार वालों को समझाते हैं कि बेला नए घर से आई है और सब का कर्तव्य बनता है कि वह बेला को बहुत खुशी और प्रेम से रखें और उसे थोड़ा भी काम ना करने दें।

✗ प्र.३. दादाजी के प्रयास का क्या परिणाम हुआ ? वे अपने प्रयास में कहाँ तक सफल रहे ? *

1.5/3

दादाजी का प्रयास सफल हुआ और उन्होंने अपने परिवार को टूटने से बचा लिया।

✗ प्र. ४. इस एकांकी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए । *

2.5/3

उपेन्द्रनाथ अशक द्वारा रचित सूखी डाली एकांकी का शीर्षक अत्यंत सार्थक है । दादाजी मूलराज परिवार के वटवृक्ष है और बाकी के सदस्य और वट वृक्ष की और डालिया है । जब दादाजी को पता चलता है कि परेश की पत्नी बेला को परिवार में हलचल मच गई है तो उन्हें सभी को समझाया और परिवार को टूटने से बचा लिया इस तरह दादाजी ने एक डाली को सुपर टूट जाने से बचा लिया। अतः एकांकी का शीर्षक सटीक एवं स्थूल है ।



प्र १०. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"तो यह लो मेरी जीभ काट लो और यहाँ से काले जाओ । महाराणा विक्रमादित्य..... ।"

दीपदान -
रामकुमार वर्मा

✗ प्र. १. यह कथन किसका है और किससे कहा गया है ? वक्ता ने जीभ काटने वाली बात क्यों .../2
कही ? *

X

✗ प्र.२. वक्ता और श्रोता में उदायसिंह के बारे में क्या-क्या बारें हुई ? * .../2

X

✗ प्र. ३. वक्ता ने रो-रो कर श्रोता से क्या करुणा पुकार की ? * .../3

X

✗ प्र. ४. श्रोता ने क्या कहकर कुँवर उदायसिंह की शैया पर सोये हुए चंदन को मारा दिया ? .../3
वक्ता की यह देखकर क्या दशा हुई ?

X

This content is neither created nor endorsed by Google. - [Terms of Service](#) - [Privacy Policy](#)

Google Forms

